RAF SECTOR
NEWS CLIP
27/07/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hari Bhoomi(Bhopal,MP)

107 बटालियन ने किया 1 हजार पौधों का रोपण

मंडीदीप। औद्योगिक नगर के समीपस्थ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 107 बटालियन द्रुत कार्य बल

द्वारा कमांडेंट संजय शर्मा के नेतृत्व में वाहिनी द्वारा गोद लिए गांव हिनौतिया, बाबुलिया डॉगी, तरावली, थानेगॉव और घाटखेडी के द्वारा प्रत्येक गांवं में पीपल, जामुन, अमरूद, आम तथा नीम के कुल 200—200 पौधे लगाए गए इस तरह 107 वाहिनी द्वारा कुल 1000 पौधों को रोपण किया गया।

Hindustan(Prayagraj,UP)

आरएएफ के जवानों ने किया पौधरोपण

फाफामऊ। गद्दोपुर, शांतिपुरम मोहल्ले में 91 बटालियन लखनऊ आरएएफ के जवानों ने कमांडेंट विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों संग पौधरोपण किया गया। ग्रामीणों को पौधरोपण के फायदे भी बताए गए। बताया गया कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार होता है, हमारा जीवन वृक्ष बिना संभव नहीं है। हमे जीवन में पेड़ जरूर लगाना चाहिए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान गद्दोपुर राम मूर्ति प्रजापति, सहायक कमांडेंट अवधेश कुमार, रोहित पाठक सहित भारी संख्या में जवान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

Swatantra Chetna(Prayagraj,UP)

आरएएफ के जवानों ने ग्रामीणों संग किया पौधरोपण

फाफामऊ। गद्दोपुर, शांतिपुरम मोहल्ले में 91 बटालियन लखनऊ आरएएफ के जवानों ने कमांडेंट विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में

ग्रामीणों संग वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण करते हुए ग्रामीणों को पौधा रोपण करने से क्या फायदा होता है। इस बारे में विस्तार से बताया और कहां कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार होता है हम लोगों का जीवन वृक्ष बिना संभव नहीं है। हमे अपने जीवन में पेड़ जरूर लगाना चाहिए।कार्यक्रम में ग्राम प्रधान गद्दोपुर राम मूर्ति प्रजापति, सहायक कमांडेंट अवधेश कुमार, रोहित पाठक सहित भारी संख्या में जवान और ग्रामीण उपस्थित रहें।

Dainik Jagran(Badaun,UP)

आरएएफ की निगरानी में गुजरेगा केसरिया सैलाब

कांवड़ियों की सुरक्षा को पहुंची एक कंपनी रैपिड एक्शन फोर्स

जागरण संवाददाता, बदायूं : जिले में कांवड़यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से निकले। इसके लिए शासन की ओर से एक कंपनी आरएएफ की दी गई है। कंपनी ने यहां पहुंचने के साथ ही एसपी सिटी जितेंद्र श्रीवास्तव व सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह के साथ शहर में बुधवार को रूटमार्च निकाला। इस दौरान जहां शहर की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया गया। वहीं मिश्रित आबादी वाले खुराफाती तत्वों की सूची भी जुटाई है। ताकि समय रहते इन पर कार्रवाई की जा सके।

बुधवार शाम शहर में आरएएफ की कंपनी ने शहर में रूटमार्च किया। एसपी सिटी के नेतृत्व में निकाला गया यह रूटमार्च लालपुल से शुरू हुआ। संकरी गलियों से लेकर चौड़ी सड़कों तक का जायजा लिया। कंपनी के असिस्टेंट कमांडेंट संजय धनवंथा व रमेश कुमार ने यह भी देखा कि कहां बड़ा मजमा लग सकता है और उसे कैसे टुकड़ों में विभाजित कर खदेड़ा जाएगा। दोपहर में सीओ सिटी के साथ कंपनी के अधिकारियों ने शहर का नक्शा देख यहां के हालात भी जाने। पुलिस व आरएएफ शहर के सोथा मुहल्ला, मथुरिया चौक, काली सड़क, टिकटगंज चौराहा, मुख्य बाजार आदि क्षेत्रों का जायजा लिया।

शहर में रूट मार्च करते आरएएफ के जवान। साथ में एसपी सिटी जितेंद्र श्रीवास्तव • जागरण

अलर्ट

- मिश्रित आबादी वाले इलाके देखे, खुराफातियों की सूची भी जुटाई गई
- संकरी गलियों से लेकर चौड़ी सड़कों तक का लिया जायजा

आरएफ की एक कंपनी जिले को मिली है। रूटमार्च का उद्देश्य शरारती तत्वों को चेताना और आम आदमी में सुरक्षा की भावना पैदा करना है। पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। कांवड़यात्रा के दौरान किसी ने भी खुराफात की तो उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित है।

जितेंद्र श्रीवास्तव, एसपी सिटी

Hindustan(Badaun,UP)

कांवड़यात्रा के लिए आरएएफ पहुंची, एसपी सिटी संग आरएएफ और पुलिस बल ने किया पैदल मार्च

पुलिस के पहरे में गूंजेगा हर-हर महादेव

बदायूं | हिन्दुस्तान संवाद

जिले में शिवभक्तों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कांवड़यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शासन की ओर से जिले को एक कंपनी आरएएफ मिली है। आरएएफ के पहुंचने के बाद एसपी सिटी जितेंद्र श्रीवास्तव, सीओ सिटी [illegible] व शहर कोतवाल [illegible] सिंह व भारी पुलिस फोर्स के साथ शहर में पैदल मार्च किया। इस दौरान आरएएफ ने शहर की भौगोलिक स्थिति का भी जायजा लिया। अचानक शहर में बूटों की धमक से शरारती तत्वों के होश उड़ गए।

एसएसपी अशोक कुमार त्रिपाठी के कड़े निर्देश पर कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं और शरारती तत्वों पर नजर बनाये हुए हैं। कहीं कोई अनहोनी न हो जाए, इसके लिए पुलिस बल पूरी तरह से तैयार है। इधर, बुधवार देर शाम को बदायूं पहुंची आरएएफ की एक कंपनी ने शाम को शहर में पैदल मार्च किया।

एसपी सिटी के नेतृत्व में निकाला गया मार्च लालपुल से शुरू हुआ। इसके बाद शहर के छोटा मोहल्ला, सुभाष चौक, मालवीय आवास, टिकटगंज, चौधरी, [illegible] बाजार समेत विभिन्न इलाकों से गुजरता हुआ पुलिस लाइन पर पहुंचा।

आरएएफ ने पुलिस फोर्स के साथ शहर के सभी अतिसंवेदनशील आबादी वाले इलाकों में पहुंचकर जायजा लिया है। कंपनी के असिस्टेंट कमांडेंट [illegible] व [illegible] कुमार ने शहर की भौगोलिक स्थिति का भी बारीकी से निरीक्षण किया।

> “कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए आरएएफ की कंपनी मिली है। आरएएफ ने पुलिस फोर्स के साथ पैदल मार्च कर शरारती तत्वों को चेताया गया है। पुलिस टीम शरारती तत्वों पर नजर बनाये हुए है। अगर कोई गड़बड़ी करता है, तो उनकी गिरफ्तारी की जायेगी।
>
> जितेंद्र श्रीवास्तव, एसपी सिटी

शहर में पदयात्रा निकालते आरएएफ के अधिकारियों व जवानों के साथ एसपी सिटी और पुलिस कर्मी। • हिन्दुस्तान

Swades(Bhopal,MP)

107 बटालियन द्रुत कार्य बल ने अपने गोद लिए गांवों में वृक्षारोपण किया

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 80 वां स्थापना दिवस के अवसर पर 107 बटालियन द्रुत कार्य बल द्वारा संजय कुमार षर्मा (द्वितीय कमान अधिकारी) कमाण्डेन्ट (सीसीडी) के नेतृत्व में वाहिनी द्वारा गोद लिए गांवं हिनौतिया, बाबुलिया डॉगी, तरावली, थानेगॉव और घाटखेडी के द्वारा प्रत्येक गांवं में पीपल, जामुन, अमरूद, आम तथा नीम के कुल 200-200 पौधे लगाए गए इस तरह 107 वाहिनी द्वारा कुल 1000 पौधों को रोपण किया गया इस अवसर पर वाहिनी के अन्य अधिकारीगण/जवानों तथा हिनौतिया गांव के ग्रामीण वासियों के साथ साथ पंच सरपंच तथा मुखिया तुफान पटेल ने बढ–चढ कर भाग लिया । इसके अलावा 107 वाहिनी परिसर में भी आज केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 80 वां स्थापना दिवस के अवसर पर पौधा रोपण किया गया। संजय कुमार षर्मा, (द्वितीय कमान अधिकारी) कमाण्डेन्ट – 107 बटालियन आर.ए.एफ. ने वृक्षारोपण पर प्रकाष डालते हुए कहा कि ये छोटे छोटे पौधे बड़े होकर बड़े पौधों की जगह लेगे इन पौधों को धरती का सौंदर्य माना जाता है जिसे देखकर मन में शांति और सुख का अनुभव होता है। वृक्ष वर्षा करने में सहायता करते हैं अगर धरती पर नमी न हो तो धरती रेगिस्तान में बदल जाएगी। पूरा प्राणी जगत इन्हीं वृक्षों और वनस्पतियों पर आश्रित हैं। बाढ़ को रोकने में भी वृक्ष हमारी सहायता करते हैं। वृक्ष और वनस्पतियाँ हवा को शुद्ध करती हैं जिससे वातावरण संतुलित होता हैं।

Swades(Bhopal,MP)

107 बटालियन द्रुत कार्य बल ने गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया

■ सायंकालीन स्वदेश संवाददाता, भोपाल

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 80 वां स्थापना दिवस के अवसर पर 107 बटालियन द्रुत कार्य बल द्वारा संजय कुमार षर्मा (द्वितीय कमान अधिकारी) कमाण्डेन्ट (सीसीडी) के नेतृत्व में वाहिनी द्वारा गोद लिए गांवं हिनौतिया, बाबुलिया डॉगी, तरावली, थानेगॉव और घाटखेडी में स्वच्छता अभियान चलाया गया । इस सफाई अभियान के दौरान 107 बटालियन द्रुत कार्य बल के अधिकारीगण तथा जवानो ने गोद लिए गावों की सडको, रास्ते, गलियों एवं सरकारी संस्थानो जैसे स्कूल, आगनवाडी, पंचायत भवन एवं मंदिरों में झाडू लगाए साथ ही घास इत्यादि की साफ-सफाई की गई।

Swades(Bhopal,MP)

रैपिड एक्शन फोर्स और पुलिस बल ।

रैपिड एक्शन फोर्स ने लिया थाने का जायजा

बेरछा। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने तथा उस घटना पर नियंत्रण और अशांति की स्थित में रैपिड एक्शन फोर्स किसी भी परिस्थितयों के लिए हमेशा प्रशिक्षणरत रहती है। पुलिस थानों में रैपिड एक्शन फोर्स के 40 सदस्यीय दल बुधवार को बेरछा थाना क्षेत्र का भ्रमण किया। दल को शाजापुर जिले के सभी थाना क्षेत्र में परिचय अभ्यास कराया जा रहा है दल का नेतृत्व सहा कमांडेंट बंशीलाल मीणा सी/107 बटालियन कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 15 बटालियन को विशेष प्रशिक्षण देकर सांप्रदायिक दंगों से बचाव के लिए द्रुत कार्य बल का गठन किया गया। इस दौरान थाने से क्षेत्र के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील ग्राम व इलाके, अति संवेदनशील इलाकों का भौगोलिक मानचित्र, विघटनकारी तत्वों, संवेदनशील मतदान केंद्र की जानकारी प्रमुखता से इकट्ठा की गई। जिससे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत प्रभावी कार्यवाही की जा सके और स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो सके। इस अवसर पर थाना परिसर में कुंवर लाल सिंह यादव निरीक्षक जीडी, महेरबान सिंह सहायक उप निरीक्षक जीडी व बेरछा थाना प्रभारी रवि भण्डारी सहित रैपिड एक्शन फोर्स तथा पुलिस बल मौजूद था।

Prabhat Khabar(Jamshedpur,JKD)

है नाज तुम पर

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के प्रयास से सीआरपीएफ में नारी बल को भी भागीदारी मिली. वर्ष 1986 की उनकी ये परिकल्पना महज एक साल बाद, यानी वर्ष 1987 में साकार हुई. सीआरपीएफ महिला बटालियन की पहली पासिंग आउट परेड में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी शामिल हुए और इनके हौसले को गौरवान्वित मन से सलामी दी. देश के दूर दराज और पिछड़े इलाकों से आयी ये महिलाएं देश की सुरक्षा में पुरुषों से कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं. इनमें से कई वीरांगनाएं ऐसी हैं, जिनके सामने बेहिसाब मुश्किलें और चुनौतियां थीं. कभी समाज ने रोका, तो कभी परिवार की नामंजूरी, लेकिन देश के लिए प्यार, दिल में जज्बा और बुलंद हौसला हो, तो मुश्किलें कहां रास्ता रोक पाती हैं. सीआरपीएफ की मुश्किल से मुश्किल ट्रेनिंग को पार कर आज ये निर्भीक महिलाएं देश सेवा में लगी हुई हैं. सधे हुए कदम, अनुशासन और कड़ी मेहनत, दुश्मन पर पैनी नजर, हाथों में बंदूक, सटीक निशाना और माथे पर बिंदी. चाहे दिल्ली मेट्रो हो या माता वैष्णो देवी मंदिर, श्रीनगर हो या अमरनाथ यात्रा. सीआरपीएफ की महिला बटालियन सुरक्षा के लिए हर जगह सीना ताने तैनात है. 27 जुलाई सीआरपीएफ दिवस पर महिला सीआरपीएफ के जज्बे को सलाम करती लाइफ@जमशेदपुर के लिए रीमा डे की रिपोर्ट :-

सीआरपीएफ का अहम हिस्सा है रैफ

रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) सीआरपीएफ का एक अहम हिस्सा है. अर्द्ध सैनिक बलों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ही एकमात्र ऐसा बल है जिसमें छह महिला बटालियन है. मार्च 1987 में प्रशिक्षण के उपरांत 88 (महिला) बटालियन ने मेरठ दंगों और श्रीलंका में आइपीकेएफ के साथ किये गये कार्यों में सराहना अर्जित की. दूसरी महिला बटालियन (135 बटालियन) की महिला कार्मिकों ने वर्ष 1996 में विभिन्न राज्यों में हुए लोकसभा चुनावों में प्रशंसनीय कार्य किया. वर्तमान में महिला कार्मिक जम्मू-कश्मीर, अयोध्या, मणिपुर, असम और देश के विभिन्न भागों में सक्रिय रूप से ड्यूटी पर तैनात हैं. सीआरपीएफ की 88 महिला बटालियन दिल्ली, 135 महिला बटालियन गांधीनगर गुजरात, 213 महिला बटालियन शालबनी पश्चिम बंगाल, 233 महिला बटालियन लखनऊ, 240 महिला बटालियन बेंगलुरु में है.

एम नागंबी

देश सेवा को किया खुद को समर्पित

25 सालों तक सीआरपीएफ में रहने के बाद पिछले आठ सालों से रैफ की जांबाज महिला बटालियन निरक्षक हैं एम नागंबी देवी. मणिपुर की नागंबी ने अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित किया है. 1986 से 2004 तक वह सीआरपीएफ में रहीं. फिर 2004-2010 तक उन्हें रैफ में भेजा गया. 2010-2014 तक सीआरपीएफ और 2014 से अब तक वह रैफ 106 बटालियन में हैं. माता-पिता और देश की सेवा की इच्छा से इन्होंने शादी नहीं की. माता-पिता के जाने के बाद अब वह अपना सारा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी ड्यूटी पर लगाती हैं. नागंबी की प्रारंभिक शिक्षा मणिपुर के एक गांव के स्कूल में हुई. स्कूली शिक्षा के दौरान सिपाहियों और उनकी वर्दी से प्रभावित नागंबी ने तभी एक वर्दी खुद के नाम करने की ठान ली. वे बताती हैं कि सीआरपीएफ में महिला और पुरुष अलग नहीं होते हैं. दोनों को समान ट्रेनिंग दी जाती है. बल्कि महिला बटालियन को भावनात्मक हालात में मजबूती और धैर्य बनाकर रखने की स्पेशल ट्रेनिंग दी जाती है. वह कहती हैं कि एक सिपाही के लिए वह दिन सबसे ज्यादा सुखद होता है जब उसे मिशन पर भेजा जाता है. 1999 में श्रीनगर और उन्हें 2009-10 में लाइबेरिया भेजा गया. वर्ष 2015 में जमशेदपुर के मानगो में 144 धारा लगने के बाद उनकी टीम का बुलावा आया. एम नागंबी बताती हैं कि उस समय उनकी टीम खूंटी से हेड क्वाटर की ओर लौट रही थी. इसी बीच उनकी टोली बीच में रुकी और सभी अपनी ड्यूटी पर तैनात हो गयी.

फूलमनी

लोगों की सुरक्षा ही पहली प्राथमिकता

जमशेदपुर के लिए यह सौभाग्य की बात है कि सीआरपीएफ की महिला बटालियन की पहली बैच की महिला जवान फूलमनी 106 बटालियन में हैं. वेस्ट बंगाल के मेदनीपुर में जन्मी फूलमनी ने 19 साल की उम्र में दुर्गापुर से ट्रेनिंग ली और सीआरएफ की महिला बटालियन में शामिल हुईं. 26 साल के अपने कार्यकाल में वह श्रीलंका से श्रीनगर तक सेवा दे चुकी हैं. चाहे दंगे में जाकर भीड़ को काबू करने की बात हो, या फिर कलिंगापुर पुरुषोत्तम ट्रेन एक्सीडेंट की घटना हो. दुर्घटना के शिकार लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने, चिकित्सा सेवा की व्यवस्था कराने में वे अपनी पूरी टीम के साथ जुटी रहीं. फूलमनी बताती हैं कि 88 महिला बटालियन में जुड़ने के बाद पहली पोस्टिंग दिल्ली में हुई. फिर गुजरात के गांधीनगर में 135 बटालियन के साथ काम किया. इसके बाद नागपुर 213 बटालियन में भेजी गयी. 1997 में विवाह बंधन में बंधी. अब दो बेटों की मां फूलमनी 2015 से रैफ 106 बटालियन में हैं. 2004 में असम में 26 जनवरी के दिन हुए बम ब्लास्ट की घटना आज भी उन्हें याद है. फूलमनी बताती हैं कि झंडोतोलन करने के लिए जैसे ही सीएम कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे ब्लास्ट हुआ, भगदड़ मच गयी. तुरंत हमारी टीम लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश में जुट गयी. घंटों बाद स्थिति पर काबू पाया जा सका.

चंदा बासुमतारी

सीआरपीएफ ज्वाइन करने पर मिली थी डांट

असम की मूल निवासी चंदा बासुमतारी ने 18 साल की उम्र के बाद सीआरपीएफ में ट्रेनिंग पूरी की. बचपन से ही पिता जो कि बीडीपी पार्टी के अध्यक्ष थे और सोशल एक्टिविटी से जुड़े थे उन्हें देख समाज के लिए कुछ करने की इच्छा थी. न्यूज पेपर में सेना के जवानों को देख वे हमेशा ही उनकी तरह बनने की सोचती थीं. उन दिनों दूरदर्शन पर महिला सेना पर आधारित हम भारत की बेटियां.. एक विज्ञापन आता था. इस विज्ञापन ने चंदा को काफी प्रभावित किया. घर में बिना बताये सीआरपीएफ में ज्वाइन करने के बाद चंदा को परिजनों से डांट सुननी पड़ी थी. उनकी पहली पोस्टिंग दिल्ली में हुई. चंदा बताती हैं वर्ष 2003-04 में असम के हालात नाजुक थे. लोग एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गये थे. एक दिन देर रात उनके परिवार पर हमला हुआ. परिवार को लेकर वह दिल्ली शिफ्ट हो गयीं. चंदा ने शादी नहीं की. देश और परिवार ही उनके लिए अहम है. 1995 में उन्हें श्रीनगर में ड्यूटी मिली. 2015 में चंदा को लाइबेरिया भेजा गया था. चंदा बताती हैं कि लाइबेरिया में भारत की महिला बटालियन को लोग काफी सम्मान और प्यार देते हैं.

- 2015 में लाइबेरिया में दी सेवा
- कहा- वहां भारत की महिला बटालियन को मिलता है काफी सम्मान और प्यार

वीणापाणी नायक

विपरीत परिस्थितियां जवानों को मजबूत बनाती हैं

रैफ 106 बटालियन की महिला जवान वीणापाणी नायक मूल रूप से ओड़िशा की है. 1989 में दिल्ली से कोर्स करने के बाद सीआरपीएफ में ज्वाइन किया. 1990 में पहली मिशन पर श्रीनगर गयीं. जिन लोगों को सुरक्षा देने के लिए वहां महिला जवानों को भेजा गया था वहां रहने वाले लोग ही जवानों को शारीरिक और मानसिक तकलीफ देने की कोशिश कर रहे थे. भीड़ को कंट्रोल करने के दौरान भीड़ द्वारा फेंके गये पत्थर से घुटने पर चोट लग गयी. घुटने से खून निकल रहा था लेकिन उस समय ध्यान खून पर नहीं बल्कि लोगों को सुरक्षित करने पर टिकी थी. श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान वीणापाणी को कई बार ऐसे हालातों का सामना कई बार करना पड़ा. वीणापाणी बताती हैं कि जब तक आदेश न मिले किसी पर डंडा तो क्या एक थप्पड़ भी हम लोग नहीं लगा सकते हैं. ऐसे हालात एक जवान को और मजबूत बना देता है. 1993 में उनकी शादी हुई पति सीआरपीएफ में रेडियो ऑपरेटर के पद पर है.

टीएच बेमचा देवी

दुश्मनों को मार गिराने का हौसला

मणिपुर की टीएच बेमचा देवी न केवल एक जाबांज सिपाही है बल्कि देश को गोल्ड मेडल दिलवा चुकी हैं. पत्नी, मां दोनों जिम्मेदारी को निभाने के साथ देश सेवा में भी लगी हुई हैं. हाल ही में पुरी में हुई रथ यात्रा के दौरान वह अपनी टीम के साथ ड्यूटी कर लौटी है. एके-47 हाथों में उठाकर वह दुश्मनों को मार गिराने का हौसला रखती हैं.

जीती स्वर्ण पदक

बेमचा बताती हैं कि वे 5 जून 2019 से 106 बटालियन में हैं. इसके पहले वह अलीगढ़ में थीं. बचपन से उन्हें घूमने का बेहद शौक था. सीआरपीएफ ज्वाइन करने के बाद ही उनके मन में देश सेवा की भावना जगी. स्वीमिंग, वाटर पोलो की खिलाड़ी रह चुकी बेमचा ने वर्ष 1999 में बेंगलुरु में हुए सीनियर नेशनल गेम्स में हिस्सा लेकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है. वर्ष 2000 में उन्होंने सीआरपीएफ ज्वाइन किया. अब वह रैफ में हैं.

पुष्पलता सोय

लाइबेरिया में महिलाओं को सिखाया एके-47 चलाना

चेहरे से नाजुक और कोमल दिखने वाली पुष्पलता सोय ने अपनी साहसिकता और कार्यक्षमता से खुद को बटालियन के बीच एक काबिल एवं फौलादी महिला जवान साबित किया है. मूल रूप से रांची की रहने वाली पुष्पलता को मिशन पर लाइबेरिया भेजा गया. तब वहां के हालत काफी नाजुक थे. 15 साल से सिविल वार का शिकार हो रहे वहां के नागरिकों खासतौर पर महिलाएं जो हर तरह के शोषण का शिकार हो रही थीं, उनकी सुरक्षा के लिए 36 देशों में से सिर्फ भारत से महिल बटालियन को भेजा गया था. वर्ष 2006 में मिशन पर गयी पुष्पलता ने वहां की महिलाओं को आत्मसुरक्षा के लिए एके-47 चलाना सिखाया. पुष्पलता एथलेटिक्स की खिलाड़ी भी हैं. 26 साल के उनके कार्यकाल में उन्हें वर्ष 2014 में दोबारा लाइबेरिया भेजा गया था.

उषा लकड़ा

भटकी महिलाओं को सही गलत का फर्क समझाया

रांची में जन्मी उषा लकड़ा की परवरिश जमशेदपुर में हुई है. पापा जिला पुलिस में कार्यरत थे. गोलमुरी पुलिस लाइन की रहने वाली उषा मार्शल आर्ट की बेहतरीन खिलाड़ी थीं. जिस कारण उनका सलेक्शन डायरेक्ट सीआरपीएफ की जनरल कैटेगरी में हुआ. हैरतअंगेज करतब दिखाने में माहिर उषा वर्ष 2004 से 2013 तक सीआरपीएफ में सेवा देने के बाद 2013 से अब तक 106 बटालियन में हैं. साल 2010-11 में लाइबेरिया मिशन पर पीस कीपिंग का काम कर चुकी हैं. नाइट पेट्रोलिंग के दौरान कई बार महिलाओं को वे गलत काम करते पायीं. उन्हें थाने लाकर काउंसिलिंग कर सही-गलत के बारे में बताया.

Prabhat Khabar(Jamshedpur,JKD)

चिकित्सा शिविर में मरीजों की हुई जांच

नरवा. रैफ 106 कमांडेंट पीके सिंह के निर्देश पर सुंदरनगर के व्यांगबील पंचायत भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में रैफ 106 के मुख्य चिकित्सा अधिकारी लारेंस बांडो एवं अन्य चिकित्सकों ने 250 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की एवं दवाइयां दी. मौके पर परशुराम कुंडु, एमके मुंडु, तापस जोश, धीरेन ओरांव आदि मौजूद थे.

Hindustan(Prayagraj,UP)

फाफामऊ क्षेत्र में आरएएफ के जवानों ने पौधरोपण किया। • हिन्दुस्तान

आरएएफ के जवानों ने किया पौधरोपण

फाफामऊ। 101 बटालियन आरएएफ शांतिपुरम फाफामऊ के जवानों ने क्षेत्र के मोरहूं, चंदापुर, मलाक हरहर गांव में ग्रामीणों संग मिलकर गांव के खाली जमीनों पर पौधरोपण किया। जवानों ने ग्रामीणों को पेड़ की उपयोगिता के बारे में भी बताया। पौधरोपण कार्यक्रम में लगभग 200 पेड़ लगाये गए। इस दौरान आरएएफ के सहायक कमांडेन्ट राकेश कुमार मिश्र, पंकज कुमार, हरिशंकर उपध्याय, आचार्य सुशील त्रिपाठी, सुरेन्द्र पटेल, धनंजय पटेल सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

Dainik Bhaskar(Jaipur,Raj.)

पौधरोपण • आरएएफ जवानों ने बच्चों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए

राजकीय विद्यालय नोनपुरा में रोपे पौधे

भास्कर न्यूज | जमवारामगढ़

रैपिड एक्शन फोर्स 83वीं बटालियन ने गुरुवार को राउमावि नोनपुरा में ग्रामीणों के साथ मैत्रीपूर्ण खेलकूद, महिला टीम ने बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण व वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ। आरएएफ बटालियन ने विद्यालय परिसर में बारिश के दौरान तम्बू बनाया। डिप्टी कमांडेंट कमल सिंह मीणा ने धरती पर लगातार बढ़ते तापमान चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमे धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाने के लिए वृक्षारोपण

जमवारामगढ़। नोनपुरा में वृक्षारोपण करते आरएएफ जवान व अतिथि।

कर उनकी सुरक्षा को गंभीरता से लेना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सेना व अर्द्धसैनिक बलों ने देश की सीमाओं व आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण सुरक्षा को भी अपने कंधों पर लिया है। मानसून के आगमन के साथ ही वृक्षारोपण की जिम्मेदारी जवान बखूबी निभा रहे हैं। असिस्टेंट कमांडेंट जाखड़ ने छात्रों व ग्रामीणों को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल भर्ती प्रक्रिया की जानकारी दी। आरएएफ के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी सुनील कुमार धाकड़ ने सहयोगियों के साथ मिलकर छात्र व ग्रामीणों का स्वाथ्य परीक्षण कर निशुल्क दवा बांटी। महिला बटालियन ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। प्रधानाचार्य गिरधारी लाल मीणा ने आरएएफ बटालियन का आभार जताया। आयुर्वेद अधिकारी शंकर लाल मीणा, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड सदस्य जगदीश नोनपुरा, व्याख्याता जितेंद्र शर्मा, रामेश्वर मीणा, रामसहाय मीणा, लक्ष्मीनारायण मीणा व कौशल्या देवी आदि ने विद्यालय परिसर में बटालियन के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया। पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ली।

Namaste Telangana(TS)

బాధ్యతగా ప్రతి ఒక్కరూ మొక్కలు నాటాలి

మజీద్‌పూర్‌లో మొక్కలు నాటుతున్న
ఆర్‌పీఎఫ్ 99 బెటాలియన్ కమాండెంట్ మాయారణి, సర్పంచ్ మోహన్‌రెడ్డి.

శామీర్‌పేట : మొక్కలను నాటి వాటిని సంరక్షించడం బాధ్యతని ఆర్‌ఏఎఫ్ 99 బెటాలియన్ కమాండెంట్ మాయారాణి అన్నారు. 99 డి కంపెనీ రెసింగ్ డే సందర్భంగా గురువారం మండలంలోని మజీద్‌పూర్‌లో హరితహారం కార్యక్రమాన్ని నిర్వహించారు. ఈ సందర్భంగా ఆమె మాట్లాడుతూ గ్రామాన్ని దత్తత తీసుకొని హరితహారం, పరిశుభ్రత, చిన్నారులకు మంచి అలవాట్లు నేర్పించడం వంటి కార్యక్రమాలు చేపడుతున్నట్లు వివరించారు. అదే విధంగా పొన్నాల్ గ్రామంలోని ప్రభుత్వ పాఠశాలలో సర్పంచ్ సుకన్య, ఎంపీటీసీ మౌనికలు మొక్కలు నాటారు. ఈ కార్యక్రమంలో సుకన్యసత్యనారాయణ, ఎంపీటీసీ అశోక్‌రెడ్డి, ఎంపీటీసీ మౌనికశివవీరప్రసాద్, ఉపసర్పంచ్ కుమార్, హెచ్‌ఎం సంజీవ, మోహన్‌రెడ్డి, ఆర్‌ఏఎఫ్ 99 బెటాలియన్ సీఐ రమభాయ్, ఎస్‌ఐలు, సిబ్బంది కిరణ్, మల్లికార్జున్, వీరయ్యగౌడ్ పాల్గొన్నారు.

Sakshi(TS)

99bn c/out swathhta abhiyan and tree plantation in adopted village masjidpura

Photos of Deployment/ Fam-Ex/Adopted Village By RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।